TECHE
UDINE

MANOSCRITTI

FONDO PRINCIPALE

Manoscritto n. **P_MSS_4294**

Nel Fondo Principale sono confluiti la maggior parte dei lasciti manoscritti pervenuti alla Biblioteca Civica «Vincenzo Joppi» nel corso del tempo: si tratta perciò di un fondo composito nel quale è possibile trovare manoscritti di argomento liturgico, scientifico, giuridico, botanico e altro.

Collocazione:

Biblioteca Civica "Vincenzo Joppi", Udine
https://www.techeudine.it/fondo-principale
https://www.sbhu.it/

र्णं॥ नमिउं अरिहंताइं। ठिइभवणोगाहणा य पत्तेयं। सुरनारयाण वुच्छं। नरतिरिआणं
विणा भवणं॥१॥ उववायचवणविरहं। संखं इगसमइअं गमागमणे। दसवाससहस्साइं। भ
वणवईणं जहन्नठिई॥२॥ चमरबलिसारमहियं। तद्देवीण उ तिन्नि चत्तारि। पलिआइं सड्ढाइं।
सेसाणं नवनिकायाणं॥३॥ दाहिण दिवड्ढ पलिअं। उत्तरउ हुंति दुन्नि देसूणा। तद्देवीमद्धपलि
अं देसूणं आउमुक्कोसं॥४॥ वंतरिआणं जहन्नं। दसवाससहस्स पलियमुक्कोसं। देवीणं पलि
यद्धं। पलिअं अहियं ससिरवीणं॥५॥ लरकेण सहस्सेण य। वासाणगहाण पलियमेएसिं। ठिइ
अद्ध देवीणं। कमेण नरकत्ततीराणं॥६॥ पलिअद्धं तु जहन्ना। चउअट्ठनाग देवीण। चउजुय
ले उताराणं जहन्नमट्ठमपमउ॥७॥ ओहि मस्साहिया। दस उदसम नरअयरआ। 1

ह जीवा वर्ण ... तिस्रित्य ... समवसरण ... वेष्टित ... ॥श्री॥ ... पुक्षौ ... एवं ...

२ म्नियाते वि॥ ४ इति श्रीसमवसरणस्तवं समाप्तम्॥ छ॥ ॥श्री॥ ॥ एवं दृशा नायैर्युक्ता

... श्लोक ... मनोहर ... ॥श्री॥ ... १६ ...

दं श्रावादक्षिकातथा॥ विनासूत्रं समालोता॥ श्लोकमेरवाणस्यं बंधरा॥ २ श्री॥ संवत १६८७ व

... प्रवज्ञेमीने ... गुरुवारे॥ श्रीबृहत्खरतरगच्छे॥ ... श्री १.८० श्री श्री

र्षे॥ माघसुदि ५ तिथौ दादिने सोमवारे॥ श्रीबृहत्खरतरगच्छे॥ भट्टारिक श्री श्री श्री जिनरा

विनयसोम गणि ... पंडित प्रवर पं श्री ६ सोमसुंदर गणि ... विनेय पं० श्री नयसोम मुनि लिखितं॥ ... नरसिंह

ज सूरि सूरीश्वराणां॥ विनयवाचनाचार्यवर्य धुर्य सकलार्य वाचक श्री श्री विनयसोम

... ॥ ... नगरे॥ ... परम ... ॥ ... लिका॥ ...

गणिमतल्लिकानां शिष्यमुख्य पंडितप्रवर पं श्री सोमसुंदर गणि विनेय श्री नयसोम मुनिना २

... लिखितं ... ॥ ... परिपाल ... येन॥ श्री

लिपीकृतानि॥ सप्रतिक्रमणानि समवसरणानि नरसिंहयुतेन॥ तीमा॥ ली॥ या॥ ग्राम॥ श्री॥